3623.0





ITM UNIVERSITY GWALIOR

ISSUE 2 (APRIL - JUNE 2024)

PAGES INSIDE

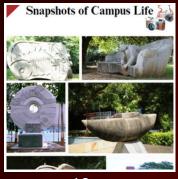








6 7-8 9-10









13



15-16

17









18 19 20 21









22-23 24 25-26 27-29







31



VICE CHANCELLOR MESSAGE

Over the years, ITM University, Gwalior, has strived to be a beacon of knowledge, fostering innovation and igniting young minds. We are a testament to the collective effort of our dedicated faculty, brilliant students, and our esteemed alumni, who have all played a pivotal role in shaping the legacy of our institution. It is our students' insatiable curiosity, diligence, and exceptional achievements that have truly placed ITM University on the map. Their success stories resonate across various fields, and they are a source of immense inspiration for us all. This magazine serves as a platform to celebrate their contributions and shed light on the plethora of opportunities that ITM University provides.

As we look towards the future, I am filled with optimism. We constantly strive to elevate the educational experience, offering cutting-edge courses, state-of-theart facilities, and an environment that nurtures creativity and critical thinking. To all the aspiring students who are considering ITM University, I extend my warmest wishes. We offer a transformative educational experience that equips you with the knowledge, skills, and confidence to thrive in the ever-evolving world. It is with immense pride that I address all of you for the second edition of our esteemed magazine, Antardrishti. This magazine serves as a window into the vibrant world of ITM University, showcasing our unwavering commitment to academic excellence and holistic student development.

PROF. DR. YOGESH UPADHYAY

Vice Chancellor, ITM University Gwalior

FROM THE EDITOR'S DESK

Reflecting on the vibrant tapestry of campus life we've experienced thus far fills me with immense pride and gratitude. From thought-provoking seminars to exhilarating sports competitions, from the solemnity of convocation to the exuberance of cultural activities, our journey has been nothing short of exhilarating. It is with immense pride that I address all of you for the second edition of our esteemed magazine, Antardrishti. This magazine serves as a window into the vibrant world of ITM University, showcasing our unwavering commitment to academic excellence and holistic student development.

The School of Journalism and Mass Communication reverberates with the echoes of insightful guest lectures and eminent speaker talks, and workshops with Industry professionals enriching our minds and broadening our perspectives. These sessions have not only expanded students' intellectua horizons but have also inspired them to pursue excellence in their respective fields. Masterclass with rising stars such as Sparsh Srivastava, Panel Discussion with Scriptwriter Daraab Farooqui, and Kanan Iyer, all these events have helped the students to bring out their potential. On the sports front, our institute's athletes have demonstrated exceptional skill, resilience, and teamwork.

Their dedication and passion have been a source of inspiration for us all. The solemnity and grandeur of our convocation ceremony provided a fitting tribute to the accomplishments of our graduating students. Our final year grads have been placed in the fields of their passions. As they embark on new journeys, we celebrate their achievements and wish them success in all their ndeavours. But it's not just academics and sports that define our university; our campus has been alive with the rhythms of cultural expression. From captivating folk dances to mesmerizing performances by International singing bands, from the eloquence of shayri and mushaira to the electrifying energy of celebrity performances, our cultural events have celebrated diversity and creativity.

ITM University accepts all cultures around the world. Each activity and event has contributed to the rich tapestry of our university experience, shaping us into the individuals we are today. I extend my heartfelt

gratitude to all those who have contributed to the success of these endeavours. Their dedication and enthusiasm have been the driving force behind our collective achievements.

- Editor in Chief- Dr. Manish Jaisal
- · Design Editor- Mr. Aman Chaprod, Ms. Kanak Rohit
- Student Editor-Ms. Kanak Rohit
- Executive Editor- Ms. Sonali Singh

Dr. MANISH JAISAI

"भारी-भरकम परिधान पहन कलाकारों ने मंच पर जीवंत किया महाभारत"

आइटीएम नृत्य महोत्सव - कलामंडल केरल के कलाकारों ने किया आगाज, दिल को छू गई सभी पात्रों की प्रस्तुति





आइटीएम यूनिवर्सिटी में तीन दिवसीय 'आइटीएम नृत्य महोत्सव-दो' का आगाज दुर्योधनवधम् कथकली समूह नृत्य की प्रस्तुति के साथ कलामंडलम कलाकारों ने किया। नाद एंफीथिएटर में आयोजित नृत्य महोत्सव में भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति, द्रोपदी के संयम और उपासना को समर्पित शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुतियों को दिखाया गया, जिसे देख कलाप्रेमी और रसिकजन मंत्रमुग्ध हो उठे। इस दो घंटे की प्रस्तुति के लिए आर्टिस्टों को पांच घंटे पात्र के अनुरूप मेकअप करने में लगे। दुर्योधन के पात्र ने 30 किलो वजनी कास्ट्यूम पहना व सिर पर 10 किलो का मुकुट रखकर नृत्य किया।

भरे दरबार में हुआ द्रौपदी का चीर हरण:

कलाकारों ने दुर्योधन वध कथकली समूह नृत्य के साथ किया। कलाकारों ने महाभारत की घटनाओं को न सिर्फ शास्त्रीय नृत्य बल्कि सदृश्य पात्रों के माध्यम से बड़े ही रोचक, जानदार और शानदार अंदाज में प्रस्तुत किया। दुर्योधनवधम् कथकली समूह नृत्य की शुरूआत पासे का खेल दृश्य के साथ होती है। इस दृश्य में कौरवों में सबसे वरिष्ठ दुर्योधन, इंद्रपस्थ और पांडवों द्वारा बनाए गए भव्य महल को देखकर उन्हें आमंत्रित करता है, जिसे जुए के खेल का शौक है। इस दृश्य में शास्त्रीय नृत्य और भाव भंगिमाओं के माध्यम से बताया जाता है कि किस तरह कौरवों का मामा शकुनि जुआ खेलता है और युधिष्ठिर एक-एक कर राजपाट, अपने भाई नकुल, सहदेव, अर्जुन, भीम और स्वयं को हार जाता है। इतना ही नहीं युधिष्ठिर द्रौपदी को भी दांव पर लगा देता हैं और उन्हें भी हार जाता है। इसके साथ ही शर्त के अनुसार उन्हें 12 वर्ष का वनवास काटने के लिए जाना पड़ता है। इसके बाद दुर्योधन द्रौपदी को अपमानित करता है और दुशासन द्वारा द्रोपदी का चीर हरण किया जाता है, लेकिन श्रीकृष्ण की कृपा से द्रोपदी का चीर हरण नहीं कर पाता।





नृत्य प्रदर्शन की तस्वीर

श्रीकृष्ण ने दिया द्रौपदी को उनकी प्रतिज्ञा निभाने का आश्वासन नृत्य: के दौरान द्रौपदी का श्रीकृष्ण से मिलने का दृश्यांकन कलाकारों द्वारा किया जाता है, जिसमें द्रौपदी द्वारिका में भगवान श्रीकृष्ण से मिलने जाती हैं और अपनी आप बीती बताती हैं। इस पर श्रीकृष्ण द्रोपदी को सांत्वना देते हैं और उसकी प्रतिज्ञा को निभाने के लिए अपनी पहल का आश्वासन देते हैं और कहते हैं कि जल्द ही बदला देने का समय आएगा। इसके बाद कथकली समूह नृत्य में तृतीय दृश्य में दुर्योधन के साथ संधि के लिए श्रीकृष्ण के मिशन का दृश्यांकन व शास्त्रीय की प्रस्तुति दी जाती है।





दुशासन का वध कर भीम करता है प्रतिज्ञा पूरी

कथकली समूह नृत्य के दौरान कुरुक्षेत्र के विराट युद्ध का बड़े ही रोचक और मनमोहन अंदाज में कलाकारों ने दृश्यांकन किया। नृत्य के दौरान 18 दिनों तक चले कुरुक्षेत्र के महायुद्ध का 16वें दिन का वर्णन किया जाता हैं, जहां पांडवों से पराजित कौरव अपनी अंतिम हार के कगार पर हैं। जहां भीम को दुशासन की तलाश है, जो भीम से बचने के लिए युद्ध के मैदान में छिपा हुआ है, लेकिन भीम ने दुशासन को ढूंदकर उसके साथ घमासान युद्ध किया और मार डाला। इसके साथ ही द्रोपदी की प्रतिज्ञा को याद करते हुए भीम ने दुशासन के खून से 13 द्रोपदी के बाल धोए और उनकी प्रतिज्ञा पूरी की



मणिपुरी महारास में बिखेरे श्रीकृष्ण-राधा और गोपियों के आध्यात्मिक प्रेम के रंग

ग्वालियर. आईटीएम युनिवर्सिटी ग्वालियर में तीन दिवसीय आईटीएम नृत्य महोत्सव-2 में द्वितीय दिवस मणिप्री समूह ने नृत्य महारास की प्रस्तुति दी। संस्थान के सिथौली परिसर स्थित नाद एम्फीथियेटर में हुए नृत्य महोत्सव में मणिपुरी समूह ने भगवान श्रीकृष्ण-राधारानी और गोपियों के दिव्य आध्यात्मिक प्रेम को समर्पित शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तृतियां दी तो वहीं थांग-ता नामक युद्ध कौशल की प्रस्तुतियां देकर संस्कृति, कलाप्रेमी और रसिकजन का मन मोह लिया। मणिप्री कलाकार गुरुजी चंदन देवी और बबीना चनम ने संयुक्त रूप से युवाओं और समाज को संदेश देते हुए कहा कि संस्कृति ही हमारी शक्ति है। युवा भारतीय संस्कृति से परिचित हों और उसे कायम रखने के लिये अग्रसर रहें। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के फाउंडर चांसलर रमाशंकर सिंह, चांसलर रूचि सिंह, प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय, रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह, जयंत तोमर आदि मौजूद रहे।



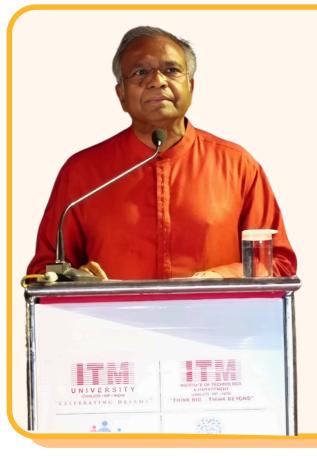




श्रीकृष्ण-राधा व गोपियों के बसंत रास को किया किया जीवंत

आईटीएम नृत्य महोत्सव-2 में संगीत नाटक अकेडमी मणिपुर ने मणिपुरी समूह नृत्य महारास के तहत बसंत रास-मणिपुरी शास्त्रीय नृत्य की रासलीला प्रस्तुत की। रास लीला का अर्थ ही है- नृत्य का दिव्य प्रेम। नृत्य रूप कृष्ण, राधा और गोपियर की कहानी कहता है। रासलीला पारंपरिक मणिपुरी संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। रासलीला भगवान कृष्ण के आध्यात्मिक प्रेम का प्रतीक है। यह मणिपुरी शास्त्रीय नृत्य के सबसे महत्वपूर्ण हिस्सों में से एक है। मणिपुरी रास लीला की पांच शैलियों में से एक बसंत रास जो चैत्र पूर्णिमा (मार्च अप्रैल) के दौरान प्रदर्शन किया जाता है। मणिपुर की रासलीला न केवल चरित्र की दृष्टि से, बल्कि वेशभूषा और आभूषणों में भी अद्वितीय है। कार्यक्रम में मणिपुरी परंपरा की बंशी (बासुरी), खोल (ढोल) और झाल (बड़ा झाझ) की संगीतमय जुगलबंदी का भी मंचन किया गया। मंच पर श्रीकृष्ण-राधा और गोपियों द्वारा एकसाथ मिलकर रंग बिरंगे अबीर से होली खेलते दृश्यों को जीवंत कर संस्कृति प्रेमियों और रसिकजनों को आनंदित कर दिया। बसंत रास के साथ-साथ पुंग चोलोम यानि मृदंग या इम के साथ मणिपुरी संगीर्तन और शास्त्रीय मणिपुरी तृत्य की प्रस्तुति भी दी गई।

शास्त्रीय नृत्य शैलियां आराधना का केंद्र हैं: रमाशंकर सिंह



आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के फाउंडर चांसलर श्री रमाशंकर सिंह जी ने कहा कि आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर द्वारा समाज और खासकर युवाओं को भारतीय संस्कृति और कला से जोड़े रखने के लिये समय-समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसी का हिस्सा आईटीएम नृत्य महोत्सव है। तीन दिवसीय इस महोत्सव के प्रथम दिवस कलामंडल केरल व मार्शल आर्ट के कलाकारों द्वारा द्योंधनवधम् कथकली समूह नृत्य की अद्भुत प्रस्तुति कलाकारों द्वारा दी गई। आज मणिपुरो संस्कृति के साथ भगवान श्रीकृष्ण और राधा को समर्पित वसंत रास के बारे में जानेंगे। उन्होंने कहा कि सभी भारतीय नृत्य शैलियां आराधना का केंद्र या माध्यम है। समकालीन भारत में यह काम शैक्षणिक सांस्कृतिक संस्थानों में हो रहा है। सभी नृत्य किसी एक कथा को प्रदर्शनकारी अभिव्यक्ति है। कथकली भी कथा से ही निकला है। उन्होंने कहा कि यहां जो कलाकार प्रस्तुति दे रहे हैं, वह उन फलाकारों की वर्षों की साधना का हो प्रतिपत है। आईटीएम नृत्य महोत्सव-2 में संगीत नाटक अकेडमी मणिपुर द्वारा मणिपुरी समूह नृत्य 'महारास' के तहत वसंत रास-मणिपुरी शास्त्रीय नृत्य को रासलीला प्रस्तुत की। रास लीला का अर्थ ही है- नृत्य का दिव्य प्रेम। नृत्य रूप कृष्ण, राधा और गोपियों की कहानी कहता है। रासलीला पारंपरिक मणिपुरी संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्स्य है। रासलीला भगवान कृष्ण के आध्यात्मिक प्रेम का प्रतीक है। यह मणिपुरी शास्त्रीय नृत्य के सबसे महत्वपूर्ण हिस्सों में से एक है। मणिपुरी रास लीला की पांच शैलियों में से एक वसंत रास जो चैत्र पूर्णिमा (मार्च-अप्रैल) के दौरान प्रदर्शन किया जाता है। मणिपुर की रासलीला न केवल चरित्र की दृष्टि से, बल्कि येशभूषा और आभूषणों में भी अद्वितीय है। कार्यक्रम में मणिपुरी परंपरा की बंशी (बासुरी), खोल (ढोल) और झाल (बड़ा झाझ) की संगीतमय जुगलबंदी का भी मंचन किया गया।

लाई-हाराओबा, ढोल-चोलोम और काबुर्ड जगोल से झंकृत हो उठा आईटीएम परिसर

आईटीएम नृत्य महोत्सव-2 में मैतेई लोगों द्वारा मनाया जाने वाला वार्षिक त्योहार की छटा अद्भुत शास्त्रीय नृत्य और संगीत के माध्यम से बिखेरी। वहीं बसंत त्योहार मणिपुरी होली यानी ढोल चोलोम की अद्भुत प्रस्तुति दी। जिसमें कलाकारों ने बसंत ऋत का स्वागत करने के लिये जोश और खुशी से लवरेज प्रस्तुति देकर भगवान से देश में खुशहाली की प्रार्थना भी मणिपुरी कलाकार करते नजर आए। इसके साथ ही जोरदार पद संचलन, शरीर की तेज स्वच्छ सुंदर और लालित्यपूर्ण क्रियाओं से भरपूर आदिवासी काबुई जगोल (आदिवासी नृत्य) की मनमोहक प्रस्तुति मणिपूरी कलाकारों ने दी।



संस्कृति ही हमारी शक्ति है: बबीना चनम

नृत्य महोत्सव - 2 में शामिल होने के लिए मणिपुरी कलाकार गुरूजी चंदन देवी और बबीना चनम ने संयुक्त रूप से युवाओं और समाज को सर्देश देते हुये कहा कि संस्कृति ही हमारी शक्ति है। युवा भारतीय संस्कृति से परिचित्त हो और उसे कायम रखने के लिये अग्रसर रहे। उन्होंने आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियाए प्रबंधन को भारतीय संस्कृति से युवाओ को परिवित कराने के उद्देश्य से आयोजनों को करने के लिये धन्यवाद और शुभकामनाएं भी दी है।









"श्रीराम के बाण से चूर-चूर हुआ दशानन का दंभ"

नृत्य शैलियों में साकार हुआ भगवान राम का चरित्र

आईटीएम विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय 'आइटीएम नृत्य महोत्सव-दो का समापन श्रीराम नृत्य नाटिका के साथ हुआ। श्रीराम भारतीय कला केंद्र नई दिल्ली के कलाकारों की ओर से आयोजित नृत्य नाटिका ने एक थार फिर सभी के सम्मुख रामायण को जीवंत कर दिया। संस्थान के नाद एंफीथियेटर में भगवान श्रीराम का कौशल, उनकी मर्यादा और माता सीता की शालीनतापूर्ण तपस्या का जीवत दृश्यांकन भारतीय शास्त्रीय संगीत, नृत्य और डायलाग के साथ बड़े ही रोचक अंदाज में कलाकारों ने प्रस्तुत किया। कलाकारी ने श्रीराम जन्म से लेकर करवास तक के दृश्य को रोचक अंदाज में प्रस्तुत किया।

ये रहे उपस्थित: महोत्सव में आइटीएम यूनिवर्सिटी के फाउंडर चांसलर रमाशंकर सिंह, चांसलर रूचि सिंह, प्रो. चांसलर डा. दौलत सिंह चौहान, वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय, रजिस्ट्रार डा. औमवीर सिंह उपस्थित रहे। मंच का संचालन जयंत तोमर ने किया।

राम जन्म पर मनाई खुशियां रसिकों में दिखा उत्साह:

नृत्य नाटिका में भरतनाटयम् और कलारियापट्ट से लेकर मयूरभंज छाऊ, उत्तर भारत के लोक नृत्य और शास्त्रीय रागों पर आधारित लयबद्ध संगीत की प्रस्तुति के साथ मंचन किया गया। अयोध्या में राजा दशरथ के घर राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के जन्म पर खुशियां मनाने के दृश्य का कलकारों ने अपनी भाव भंगिमाओं, नृत्य और डायलाग से ऐसा प्रदर्शन किया मानो यह उत्सव नाद में ही मनाया जा रहा हो। इसके साथ ही ताड़का वध, अहिल्या उद्धार, श्रीराम-सीता मिलन, सीता स्वयंवर, श्रीराम सीता विवाह, परशुराम संवाद, शबरी की भक्ति और कैकेयी वरदान की कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी।







नृत्य मन की उमंगों की भाषा है। यूं भी कह सकते हैं कि देह, मन और हृदय की समग्रता में विराट के प्रति सच्ची प्रार्थना है नृत्य। विराट यानि भगवान श्रीराम, जो भारत की आस्था, आधार और विधान है। आईटीएम नृत्य महोत्सव के अंतिम दिन रिववार को श्रीराम भारतीय कलाकेन्द्र के कलाकारों ने तम तमाम नृत्य शैलियों में पिरोकर श्रीराम नृत्य नाटिका की ऐसी हृदयग्राही प्रस्तुति दी कि दर्शक अभिभूत हो गए।

आईटीएम विश्वविद्यालय पिछले कुछेक वर्षों से अपने सांस्कृतिक सरोकारों के चलते नृत्य महोत्सव का आयोजन करता आ रहा है। इस बार भी इस तीन दिवसीय आयोजन में नृत्य की विभिन्न शास्त्रीय व लोक शैलियों को इस महोत्सव में जगह मिली। यकीनन इस नृत्य समारोह ने हमारी संस्कृति के वैभव को एक नया फलक दिया। बहरहाल, इस प्रस्तुति में कलाकारों ने श्रीराम के जन्म से लेकर वनवास, सीताहरण, रावण वध और राम के राज्याभिषेक के कथानकों को कथक, भारतनाट्यम्, छाऊ, मयूरभंज जैसी नृत्य शैलियों व गीत संगीत में पिरोकर बड़े ही मनोहरी ढंग से प्रस्तुत किया। विभिन्न कथानकों के दौरान कलाकारों की नृत्यानुकूल देह गतियों भाव भंगिमाओं व लय वद्ध पद संचालन से रामायण के पात्र साकार हो उठे। नृत्य नाटिका में ताडका वध, अहिल्या उद्धार, सीता स्वयंवर, परशुराम संवाद जैसी लीलाएं आनंद भरने वाली थी।

राम को हुआ वनवास तो दर्शक हो गए भावुक

आईटीएम नृत्य महोत्सव-2 में श्रीराम नृत्य नाटिका के दौरान कलाकारों ने श्रीराम वनवास के प्रसंग का शास्त्रीय संगीत, नृत्य और रोचक अंदाज में मंचन किया तो दर्शक दीर्घा में बैठे संस्कृति-कला प्रेमी और ग्वालियरवासी एक पल को भावुक नजर आये। इसके बाद केवट संवाद और भरत मिलाप, पंचवटी, रावण 'दरबार और स्वर्ण मृग का मनोहारी मंचन कलाकारों द्वारा किया गया।

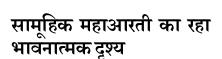






जब सीता ने की लक्ष्मण रेखा पार तो रावण ने कर लिया अपहरण

आईटीएम नृत्य महोत्सव-2 में कलाकारों द्वारा 'श्रीराम' नृत्य नाटिका में माता सीता के अपहरण का मंचन किया गया। जहां माता सीता अपनी कुटिया में होती हैं, तभी रावण साधु का भेष बदलकर भिक्षा मांगने आ जाता है। ऐसे में माता सीता को रावण द्वारा लक्ष्मण रेखा पार कर कुटिया के बाहर आना पड़ता है और फिर रावण असली रूप में आकर माता सीता का अपहरण कर लेता है। इसके बाद जटायु वध के संवाद का मंचन, राम-लक्ष्मण की पंचवटी में वापसी, किष्किंधा में सुग्रीव के साथ मित्रता स्थापित करना, बाली का वध, सम्पाती संवाद, अशोक वाटिका, हनुमान जी द्वारा लंका दहन करना, लक्ष्मण मेघनाद युद्ध और राम- रावण युद्ध का मंचन कलाकारों ने बड़े ही मनोहारी अंदाज में किया।



श्रीराम नृत्य नाटिका का भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर ने अनूठी पहल करते हुये सामूहिक महाआरती का आयोजन किया। भगवान श्रीराम-सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की सामूहिक आरती का भावनात्मक दृश्य यह रहा कि इस महाआरती में हिंदू मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध धर्म के अनुयायियों ने हाथों में दीपक लेकर आरती उतारते नजर आए। सामूहिक आरती के बाद आईटीएम की परंपरा के अनुरूप जन-गण-मन के साथ ही तीन दिवसीय आईटीएम नृत्य महोत्सव-2024 का उल्लासपूर्ण माहौल में समापन हुआ।





















आरती करते समय का मनोरम दृश्य

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में जनसंचार के नवाचार पर परिचर्चा

आईटीएम में परिचर्चा से पहले फिल 'ए वतन मेरे वतन' का हुआ प्रदर्शन

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा ए वतन मेरे वतन' फिल्म का प्रदर्शन और 'भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में जनसंचार के नवाचार' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। संस्थान के उस्ताद अलाउद्दीन खान सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अतिथि के रूप में फिल्म के निदेशक कत्रन अथ्यर, फिल्म लेखकर दाराव फारूकी, वरिष्ठ पत्रकार अरविंद मोहन, अभय वर्मा, आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के फाउंडर चांसलर रमाशंकर सिंह शामिल हुए। इस अवसर पर चांसलर श्रीमती रूचि सिंह, वाइस चांसलर प्रोफसर योगेश उपाध्याय, रिजस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह, डीन एकडमिक प्रोफेसर रजीत सिंह डॉ. सोनिया जौहरी सिंहत सभी विभागों के डीन, विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और छात्र- छात्राएं मौजूद रहे। वहीं कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग के प्रमुख डॉ. मनीष जैसल और अंत में धन्यवाद प्रो- चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान द्वारा किया गया।

हमें भारत की एकता, अखंडता, और आजादी के लिए हमेशा सतर्क और चौकना रहने की जरूरत है: फाउंडर चांसलर रमाशंकर सिंह-'ए वतन मेरे वतन' फिल्म का प्रदर्शन और 'भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में जनसंचार के नवाचार' विषय पर परिचर्चा कार्यक्रम में बतौर अतिथि शामिल हुए आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के फाउंडर चांसलर रमाशंकर सिंह ने कहा कि गांधी जी का नमक सत्याग्रह पहला ऐसा आंदोलन था, जिसमें 25 हजार महिलाओं ने एक साथ गिरफ्तारी दी थी। हमें भारत की एकता, अखंडता, और आजादी के लिए हमेशा सतर्क और चौकना रहने की जरूरत है। परिचर्चा में आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर को पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रमुख मनीष जैसल ने कहा कि महात्मा गांधी कि एक महान व्यक्तित्व के साथ एक विचार भी हैं। जो हमेशा जीवन को सत्य और अहिसा आप की ओर ले जाते हैं। आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर का यही प्रयास है कि आप सभी महानायकों के विचारों से परिपूर्ण होकर अपने सफल जीवन की ओर बढ़ें।

















जो मुल्क अपने इतिहास से वाकिफ नहीं, उसके भविष्य को बचाया नहीं जा सकताः राजकुमार जैन प्रोफेसर

जो मुल्क अपने इतिहास से वाकिफ नहीं, उसके भविष्य को बचाया नहीं जा सकताः राजकुमार जैन प्रोफेसर राजकुमार जैन ने कहा कि लोहिया के चिरत्र पर फिल्म बनाकर समाज के लि बहुत बड़ा काम किया है। वर्तमान परिवेश की कमर्शियल फिल्मों की सफलता के मानदंडो पर फिल्म भले खरी न उतरे लेकिन समाज पर यह गहरी छाप छोडेगी। जो मुल्क अपने आप इतिहास की क्रांति से वाकिफ नहीं होता, उसके भविष्य को बचाया नहीं जा सकता।









गांधी जी ने चरखा को माध्यम बनाकर लोगों तक सदेश पहुंचाने का प्रयास किया: निदेशक कन्नन अय्यर

परिचर्चा में 'ए वतन मेरे वतन' फिल्म के निदेशक कत्रन अय्यर ने कहा कि नवाचार की जितनी महता विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में हैं उतनी ही सामाजिक विकास के लिए भी जरूरी है। 1857 की क्रांति के दौरान हमारे पास जनसंचार के माध्यम होते तो शायद परिणाम कुछ और होता। गांधी ने चरखा को माध्यम बनाकर लोगों तक संदेश पहुंचाने का प्रयास किया।





अन्याय को अहिंसक तरीके से खत्म करने की शुरुआत गांधीजी ने की: अरविंद मोहन

वरिष्ठ पत्रकार अरविद मोहन ने कहा कि अन्याय को अहिंसक तरीके से खत्म करने की बात पहले नहीं दिखती थी। गांधीजी ने इसकी शुरूआत की। वे कुछ करने से पहले स्वयं का उदाहरण पेश करते थे। उन्होंने हमेशा सच्चाई को सामने रखकर लोगों को निर्भय बनाया। वहीं फिल्म में कौशिक का किरदार निभा रहे अभय वर्मा ने कहा कि बचपन से इसाने की अपना पैशन मिल जाए, तो वह दिगाज बन जाता है। इसलिये आप अंदर की आग को बुझने ना दें।





गांधी जी ने हम सभी में प्रश्न करने की जिज्ञासा जगाई, यह धूनी हमाई अन्दर जलती रहनी चाहिए: प्रो. उपाध्याय

परिचर्चा में आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के वाइस चांसलर प्रोफेसर यो उपाध्याय ने कहा कि हम सभी बराबर के अधूरे हैं, इस अधूरेपन को पूरा करने के लिए ही प्रयासरत है। गाधी जी ने हम सभी में प्रश्न करने की जिज्ञासा जगाई। यह धुनी हमारे अन्दर जलती रहनी चाहिए। Snapshots of Campus Life

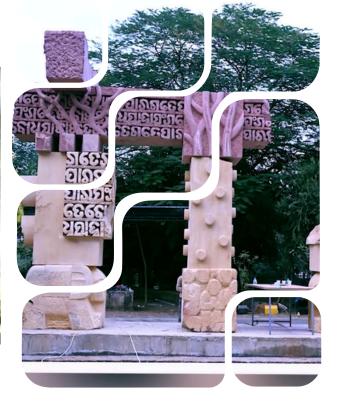














आईटीएम में महिला सशक्तिकरण पर चर्चा



फिल्म के किरदारों को लेकर मैं जीता हूं: दुर्गेश कुमार

जीवन में सफलता पाने के लिए कई बार निराशाएं हाथ लगती हैं, लेकिन निराशाओं को अपने ऊपर हावी नहीं होने देना।

यह बात आईटीएम विश्वविद्यालय में संचालित जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग, फिल्म क्लब और परफॉर्मिंग आर्ट्स क्लब द्वारा संयुक्त रूप से शुक्रवार को आयोजित किए गए फिल्म लापता लेडीज के प्रदर्शन और फिल्म से जुड़े विषयों एवं महिला सशक्तिकरण के मुद्दों पर अकादिमक चर्चा में फिल्म में शामिल किरदार दीपक को निभाने वाले अभिनेता स्पर्श श्रीवास्तव ने कही। कॉन्स्टेबल की भूमिका में दुर्गेश कुमार ने फिल्म से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि लापता लेडीज की शूटिंग के दौरान में कई बार भावुक भी हआ। मन में यह ख्याल भी आया कि क्या मैं

अपने किरदार को सही से और अच्छे से निभा पाऊंगा, लेकिन जब फिल्म पूरी हुई तो मेरा कॉन्फिडेंस लेवल बढ़ चुका था, क्योंकि मुझे पता था कि मैंने जो काम किया है पूरी ईमानदारी से और कड़ी मेहनत के साथ किया है। अभिनेता स्पर्श श्रीवास्तव ने कहा कि छोटे शहरों से आने वाले युवा अगर कड़ी मेहनत करें तो फिल्मों में बड़े से बड़ा किरदार भी पा सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाइस चांसलर प्रो. योगेश उपाध्याय ने की। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह, डिप्टी रजिस्ट्रार जनसंपर्क अनिल माथुर, डीन रिसर्च प्रोफेसर पल्लवी खत्री, डीन अकादिमक प्रोफेसर रंजीत सिंह तोमर, डीएसडब्ल्यू डॉ. आनंद पांडे, आईटीएम ग्वालियर की निदेशक प्रो. सीनाक्षी मजूमदार, आईटीएम जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष और कार्यक्रम संयोजक डॉ. मनीष जैसल, असिस्टेंट प्रोफेसर भरत कुमार सिंह सहित अन्य मौजूद रहे। वहीं कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित सोनाली सिंह ने किया।



फिल्म अभिनेता : स्पर्श श्रीवास्तव

युवा अगर कड़ी मेहनत करें तो फिल्मों में बड़े से बड़ा किरदार भी पा सकते हैं: श्रीवास्तव

अभिनेता स्पर्श श्रीवास्तव ने छात्र-छात्राओं और युवाओं के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिये कई बार निराशाएं हाथ लगती है, लेकिन निराशाओं को अपने उपर हावी नहीं होने देना। उन्होंने कहा कि लापता लेडीज की शूटिंग के दौरान में कई बार भावुक भी हुआ। मन में यह ख्याल भी आया कि क्या मैं अपने किरदार को सही से और अच्छे से निभा पाउंगा। लेकिन जब फिल्म पूरी हुई तो मेरा कॉन्फिडेंस लेवल बढ़ चुका था। क्योंकि मुझे पता था कि मैंने जो काम किया है, पूरी ईमानदारी से और कड़ी मेहनत के साथ। अभिनेता स्पर्श श्रीवास्तव ने कहा कि छोटे शहरों से आने वाले युवा अगर कड़ी मेहनत करें तो फिल्मों में बड़े से बड़ा किरदार भी पा सकते हैं।

व्यक्ति को जागरूक होने की जरूरत है: उपाध्याय

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आईटीएम यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय ने कहा कि लापता लेडीज समाज का एक आइना है और यह जीवन में अहम स्थान रखती है।

समाज में कई ऐसी प्रथाएं हैं जिनके कारण महिलाएं अपने मूल अधिकारों से वंचित रह जाती हैं। महिला सशक्तिकरण के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को और व्यक्ति को जागरूक होने की जरूरत है।



फिल्म अभिनेता : दुर्गेश कुमार



फिल्म अभिनेता : बुल्लू कुमार

जज्बा और जुनून होना बेहद जरूरी है: बुल्लू कुमार वेब सीरिज में पंचायत फेम बुल्लू कुमार ने कहा कि मुझे 15 साल थियेटर करते हुये हो गये हैं। इस दौरान मैंने यह करीब से जाना कि आप जो भी किरदार निभायें उसके लिए आपमे जज्बा और जुनून होना बहुत जरूरी है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी:

भारत के भविष्य को आकार देने में मीडिया कानून और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भूमिका

आईटीएम युनिवर्सिटी ग्वालियर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग और आईसीएसएसआर नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'भारत के भविष्य को आकार देने में मीडिया कानून की भूमिका और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020' था। संस्थान के सिथौली कैंपस स्थित डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में द्वितीय दिवस पर समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रोफेसर पं. साहित्य कुमार नाहर (राजा मान सिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर) शामिल हुये। विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलपति प्रोफेसर योगेश उपाध्याय (आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर), रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह (आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर), प्रोफेसर पवित्र श्रीवास्तव (भोपाल),प्रोफेसर डॉ. सुंदर राजदीप (मुंबई), प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह, दीपक तिवारी, प्रोफेसर ओमप्रकाश भारती, डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी, प्रोफेसर उमेश अशोक कदम (देहली), डॉ. अवा शुक्ला (अहमदाबाद), प्रोफेसर अनु श्रीवास्तव (भोपाल), प्रोफेसर डॉ. रमेश शर्मा (नई दिल्ली), प्रोफेसर कृति राजौरिया (भोपाल), सचिन जैन (विकास संवाद भोपाल के निदेशक), पत्रकार पंकज शुक्ला, सहायक प्राध्यापक डॉ. कौशल त्रिपाठी (झांसी), सहायक प्राध्यापक डॉ. राहुल आर्य (फरीदाबाद) विशेष रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर आईटीएम पत्रिकारिता एवं जनसंचार विभाग खालियर के प्रमुख डॉ. मनीष जैसल, आयोजन सचिव सहायक प्राध्यापक भरत कुमार सिंह, डीन अकादिमक प्रोफेसर सोनिया जौहरी, जयंत सिंह तोमर, डॉ. हनन खालीद खान, सोनाली सिंह, मनाली बंसल, उपजित कौर सहित देशभर से आये मीडिया अध्येयता, पत्रकार और शोधार्थियों के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सामाजिक दायित्व बोध जब तक महि होगा,तब तक आप अच्छे व्यक्ति नही बन सकते

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा में प्रदर्शन कला विभाग के प्रमुख प्रोफेसर ओम प्रकाश भारती ने कहा कि आज के दौर में जन संचार का काम केवल स्किल्ड मानव संसाधन तैयार करना ही रह गया है। सामाजिक दायित्व बोध जब तक आप में नहीं होगा तब तक आप एक अच्छे व्यक्ति नहीं बन सकते। डा. मनीष जैयल ने कहा कि राष्ट्र शिक्षा नीति आपकी नई नई चीज़ें जानने व पढ़ने का मौका देता है। राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर देशभर से आए मीडिया अध्येयता, पत्रकारों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं 15 शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र भी पढ़े।





प्राथमिक शिक्षा को और मजबूत करने की जरूरत है

आइटीएम यूनिवर्सिटी के प्रो. वाइस चांसलर डा. दौलत सिंह चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुझे जो दिखा है, वह पश्चिम के देश पहले से करते आ रहे हैं। भारतीय शिक्षा पद्धित की खासियत यह है कि हम ज्ञान के पीछे नहीं भागते, हम प्रज्ञा की बात करते हैं। प्राथमिक शिक्षा जो घर और स्कूल में मिलती है, उसे और मजबृत करने की जरूरत है, ताकि छात्र सेल्फ लर्नर बन सकें।







छह सत्रों में 40 शोध पत्र पढ़े गए

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा 'भारत के भविष्य को आकार देने में मीडिया शिक्षा, कानून की भूमिका और राष्ट्रीय शिक्ष नीति- 2020' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजन सचिव सहायक प्राध्यापक भरत कुमार सिंह ने संगोष्ठी की विस्तृत रिपोर्ट पेश की। उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में कुछ छह सत्रों का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 40 शोध-पत्र पढ़े गये। जिनमें से चार ऑफलाइन सत्रों में 30 शोध-पत्र और दो ऑनलाइन सत्रों में 10 शोध-पत्र पढ़े गये। इस दौरान देशभर से आए 25 विषय विशेषज्ञ, मीडिया अध्येयता, पत्रकार और शोधार्थियों ने भी अपने-अपने विचार प्रकट किए।



राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य छात्रों की नैसर्गिक प्रतिमा को मूल रूप देना है: कुलपति उपाध्याय

संगोटी में आईटीएम विश्वविद्यालय के कुलपित प्रोफेसर योगेश उपाध्याय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य छात्रों की नैसर्गिक प्रतिभा को मूल रूप देना है। रचना धर्मिता को सार्थकता तक पहुंचाने का काम एनईपी करता है। ये आपको अनन्त विकल्प दे सकता है। पारंपिरक शिक्षा व्यवस्था में इसकी कमी महसूस हो रही थी।



विकसित भारत की संकल्पना का मार्ग एनईपी 2020 है: प्रोफेसर पं. साहित्य कुमार नाहर

समापन सत्र के मुख्य अतिथि अतिथ राजा मान सिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय खालियर के कुलपित प्रोफेसर पंडित साहित्य कुमार नाहर ने कहा कि व्यक्तिगत, पारिवारिक और शैक्षिक जीवन में अनुशासन होना चाहिए। विकसित भारत की संकल्पना का मार्ग एनईपी 2020 दिखाता है।

आत्मनिर्भर भारत के लिए को अपने कान्टेन्ट में नयापन लाना चाहिए: प्रोफेसर पवित्र श्रीवास्तव

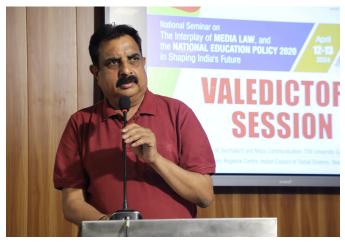
समापन सत्र के विशिष्ट अतिथि भोपाल के प्रोफेसर पवित्र श्रीवास्तव ने कहा कि आत्मिनर्भर भारत के लिए को अपने कान्टेन्ट - में नयापन लाना चाहिए। पंचायत, कोटा फैक्ट्री,गुल्लक जैसी ओटीटी सीरीज़ इस बात का उदाहरण है।

लोग अपनी मातृभाषो में ज्ञान लेना चाहते हैं प्रो. ओम प्रकाश सिंह

सगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ बनारस के पत्रकारिता सस्थान के पूर्व प्रमुख प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि हमारे देश में क्षेत्रीय भाषाओं को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। अंग्रेजी अखबारों की रीडरशिप घट रही है। ये इस बात का सकेत है कि लोग अपनी मातृभाषा में ज्ञान लेना चाह रहे है। इससे अनुवाद की व्यवस्था बढ़ी है







आईटीएम में योग के माध्यम से दिया "स्वस्थ रहने का संदेश"



आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर और आईटीएम ग्वालियर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संयुक्त रूप से सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफस्पोर्ट्स एजुकेशन द्वारा तुरारी परिसर स्थित स्पोर्ट्स ऐरीना परिसर में योग प्रशिक्षक द्वारा योगासन और प्राणायाम भारत सरकार के प्रोटोकॉल के अनुरूप कराये गये। इस अवसर पर वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय, रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह, प्रो- वाइस चांसलर डॉ. एसके नारायण खेड़कर, स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स एजुकेशन के एचओडी डॉ. विपिन तिवारी, प्रोफेसर इंदु मजूमदार, . आईटीएम की डायरेक्टर प्रोफेसर मीनाक्षी मजूमदार सिंहत विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, डीन, प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर सिंहत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उपस्थित होकर योगाभ्यास किया। कार्यक्रम में वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय ने कहा कि योग आसन करने से तन और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। इस भागमभाग जीवन की कार्यशैली में

अधिकांश लोग अपने स्वास्थ्य की ओर ध्यान ही नहीं दे पाते हैं। इसका खामियाजा लोगों को अपने जीवन में अस्वस्थ रहकर भुगतना पड़ता है। योग आसन, प्राणायम को अपनाकर अपने शरीर और मन को स्वस्थ रखने के लिये स्वयं को प्रतिदिन महज 20 मिनट दें तो आपके जीवन में खुशियों के साथ आनंद बढ़ जायेगा।

योगासन, ध्यान और प्राणायाम करने का लिया संकल्प

कार्यक्रम में संस्थान के पदाधिकारी, प्रोफेसर, शिक्षक, प्रशिक्षक, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस वॉलेंटियर्स और छात्र-छात्राओं सहित करीब 500 लोगों ने योगाभ्यास किया। इस अवसर पर सभी ने प्रतिदिन योग आसन, ध्यान और प्राणायाम करने का संकल्प लिया। वहीं अंत में शांतिपाठ के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।



सभी ने सामूहिक रूप से लगाए योग आसन, किया प्राणायाम

योग प्रशिक्षक द्वारा सभी को सामूहिक रूप से योग क्रियाएं कराई गईं। इसके साथ ही सबसे पहले संदिलज चालन क्रिया, शिथिलीकरण का अभ्यास कराया गया। खड़े होकर किए जाने वाले आसन जिनमें ताइ आसन, वृक्षासन, अर्द्धचक्रासन, पाद हस्थासन, त्रिकोणासन लगवाये गये। इसके बाद बैठकर किए जाने वाले आसन का अभ्यास योग प्रशिक्षक द्वारा कराया गया। जिनमें भद्रासन, वजासन, अर्ध उष्ट्रासन, उष्ट्रासन, शशांकासन, उत्तानमंडूकासन, वक्रासन शामिल हैं। वहीं पेट के बल लेटकर कि जाने वाले आसन जैसे मकरासन, भुजंगासन शलभासन कराए गये। इसके बाद पीठ के बल लेटकर किये जाने वाले आसनों का अभ्यास योग प्रशिक्षक द्वारा कराया गया, जिनमें सेतुबंधासन, अत्तानपादासन, अर्ध हलासन, पवनमुक्तासन, शवासन शामिल है। इन आसनों के बाद प्राणायाम कराया गया। जिनमें कपालभाति, अनुलोम विलोम, शीतली प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम, ध्यान किया गया।

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में अनुपम मिश्र स्मृति व्याख्यान-4 आयोजित



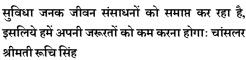
आईटीएम युनिवर्सिटी ग्वालियर में संस्थान के ईको क्लब एवं एनसीसी यूनिट एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्याय नई दिल्ली द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में अनुपम मिश्र स्मृति व्याख्यान-4 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पद्मश्री डॉ. प्रकाश आमटे (सामाजिक एवं पर्यावरण कार्यकर्ता लोक विरादरी प्रकल्प महाराष्ट्र), विशिष्ट अतिथि डॉ. मंदािकनी आमटे (सामाजिक एवं पर्यावरण कार्यकर्ता, लोक विरादरी, महाराष्ट्र), विशिष्ट अतिथि श्भम मिश्र गाजियाबाद उप्र शामिल हुए। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता चांसलर श्रीमती रूचि सिंह ने की। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय, रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह, प्रोफेसर योगेश गोस्वामी, डीन प्रोफेसर मिनी अनिल, विभाग अध्यक्ष डॉ. अंशुल, समन्वयक प्रो. शिवओम सिंह (एसोसिएट प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान विभाग स्कूल ऑफ साइंस), सह समन्वयक डॉ. गौरव कुमार सिंह (सहायक प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान स्कूल ऑफ साइंस)सहित विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, डीन, प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर सहित बड़ी संख्या में स्टुडेंट्स मौजुद रहे।



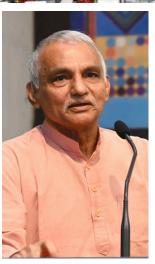
भाषा के बीज पर्यावरण से आते हैं: शुभम मिश्र

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में आयोजित अनुपम मिश्र स्मृति व्याख्यान-4 में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए उप्र से आए शुभम मिश्र ने कहा कि श्री अनुपम मिश्र जी का जन्मदिवस पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनकी रचनाएं पर्यावरण पर ही हैं। उन्होंने कहा कि तालाब को बनाने की तकनीक भौगोलिक क्षेत्र में बदल जाती हैं, भाषा के बीज पर्यावरण से आते हैं। धरती हम बचायेंगे, हमें बचाकर रखना है। हरेक के प्रति सम्मान देना है।





अनुपम मिश्र स्मृति व्याख्यान-4 की अध्यक्षता कर रहीं आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के चांसलर श्रीमती रूचि सिंह ने कहा कि मिश्र अनुपम मिश्र का नाम अनुपम कार्यों से झलकता हैं उन्होंने पॉलिसी बनाने पर नहीं कार्य करने पर हमेशा विश्वास किया। हमारे महापुरुषों ने हमें यही सिखाया है कि जल ही जीवन है तो हमें उसे बचाना है। सुविधा जनक जीवन संसाधनों को समाप्त कर रहा हैं, इसलिये हमें अपनी जरूरतों को कम करना होगा। श्रीमती रूचि सिंह ने कहा कि हमने अनुपम मिश्र जी से सीखा कि कैसे पर्यावरण को बचाएं। उन्होंने कहा कि पुरानी चीजों को, ज्ञान को जो हमारे पर्यावरण को बचाये रखे उसे संभाव कर रखना चाहिये। कार्यक्रम में आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय ने कहा कि अनुपम मिश्रा जी की किताबों को अपने पाठ्यक्रम में, मैथेडोलॉजी में रखने की आपश्यकता है। उन्होंने 'इंडियन नॉलेज सिस्टम' पुस्तक पर विशेष जोर देते हुये कहा कि इसमें हमारे प्राचीन विज्ञान से पर्यावरण को बचाने के तंत्र दिए गए हैं.





पर्यावरण को सहेजने के लिये भावना और भाव, दिशा और दशा पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है: पद्मश्री डॉ. प्रकाश आमटे

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में आयोजित 'अनुपम मिश्र स्मृति व्याख्यान-4' में मुख्य वक्ता पद्मश्री डॉ. प्रकाश आमटे (सामाजिक एवं पर्यावरण कार्यकर्ता लोक विरादरी प्रकल्प महाराष्ट्र) ने बाबा आमटे और भवानी प्रसाद मिश्र के विचारों की समानता की। उन्होंने ऐसे कुष्ठ रोगियों को अपना जिन्हें समाज ने तिरस्कृत कर दिया था। उन्हें कुष्ठरोगियों को देख संकल्प लिया कि मैं कुष्ठ रोगियों की सेवा करूंगा। विनोबा भावे के साथ मिलकर उन्होंने जंगल में कुष्ठ रोगियों को रखकर सेवा की। वहां अपने आप समाज के लोग आने लगे। गांधी जी के विचारों के साथ एक कुष्ठ आश्रम खोला। इसके साथ ही आनंद वन आने वाले लोगों ने आचार्य आमटे के काम की सराहना की। उन्होंने पर्यावरण के साथ समाज के संतुलन का संदेश दिया। पद्मश्री डॉ. प्रकाश आमटे ने कहा कि सहज जीवन जीकर पर्यावरण को बचाया जा सकता हैं। पर्यावरण को सहेजने के लिये भावना और भाव, दिशा और दशा पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।

कलात्मक दृष्टि अपनाने से जीवन सुंदर हो जाता है: रमाशंकर

प्रख्यात कलाविद् व्याख्यान से छात्रों को करा रहे कलाओं से रुबरू



आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर और आर्ट एंड डील पत्रिका के संयुक्त तत्वावधान में आर्ट एप्रेसिएशन सर्टिफिकेट कोर्स (कला-रसास्वादन पाठ्यक्रम) का शुभारंभ गिरमापूर्ण माहौल में हुआ। आईटीएम यूनिवर्स के सिथौली पिरसर स्थित रेनाल्ड ब्लॉक के कॉन्फ्रेंस हॉल में किए जा रहे इस 15 दिवसीय कोर्स में देश भर के प्रख्यात कलाविद् अपने व्याख्यान देकर युवाओं और छात्र छात्राओं को दुनियाभर में विकसित विभिन्न कलाओं के प्रति न सिर्फ जागरूक कर रहे है बल्कि उन्हें कला की बारीकियों से अवगत करा रहे है जो भविष्य में युवाओं के कॅरियर का महत्वपूर्ण हिस्सा बनेंगे। आईटीएम यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड लिटरेरी स्टडीज के अंतर्गत अध्यापक जयंत सिंह तोमर ने बताया कि कोर्स का उद्देश्य प्रतिभागी युवाओं और छात्र-छात्राओं में कला की वृष्टि विकसित करने के साथ साथ उनमें कला की चेतना जगाना है। 15 दिवसीय आर्ट एप्रेसिएशन सर्टिफिकेट कोर्स में देश के प्रतिष्ठित और प्रख्यात कलाविद् प्रतिदिन अपने व्याख्यानों के माध्यम से छात्र-छात्राओं और युवाओं को दुनिया की कलाओं से रूबरू कर रहे हैं। अब तक कलाविद् जौनी एमएल, प्रयाग शुक्त, सुमन सिंह, रवीन्द्र त्रिपाठी, डॉ. राजेश कुमार व्यास और नर्मदाप्रसाद उपाध्याय के व्याख्यान हो चुके है।।





इन कलाओं के प्रति किया जा रहा लोगों को जागरूक

आईटीएम यूनिवर्सिटी के आर्ट एप्रेसिएशन सर्टिफिकेट कोर्स के अंतर्गत भारतीय कला, पश्चिम की कला, विभिन्न कला आन्दोलन, भारतीय लघुचित्र परम्परा, आदिवासी एवं लोककला, कला समीक्षा के तत्व, छाया-प्रकाश, आधुनिक भारतीय कला, कला संरक्षण व कला जगत के विभिन्न घटकों के अंतरसंबंध पर व्याख्यान व स्लाइड शो आयोजित किये जा रहे हैं।















आईटीएम यूनिवर्सिटी म्वालियर और आर्ट एंड डील पत्रिका के संयुक्त तत्वावधान में 15 दिवसीय आर्ट एप्रेसिएशन सर्टिफिकेट कोर्स (कला-रसास्वादन पाठ्यक्रम) का समापन हुआ। आईटीएम यूनिवर्स के सिथौली परिसर स्थित रेनाल्ड ब्लॉक के कॉन्फ्रेंस हॉल में चल रहे कोर्स के समापन अवसर पर समारोह का आयोजन किया गया। जहां देशभर के प्रख्यात कलाविदों द्वारा अपने व्याख्यान देकर युवाओं और छात्र-छात्राओं को दुनियाभर में विकसित विभिन्न कलाओं की बारीकियों से अवगत कराते हुए उन्हें जागरूक किया गया। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी म्वालियर के फाउंडर चांसलर श्री रमाशंकर सिंह जी, चांसलर श्रीमती रूचि सिंह,प्रो-चांसलर, डॉ. दौलत सिंह चौहान, वाइस चांसलर प्राफेसर योगेश उपाध्याय, किव-चिंतक व लेखक डॉ. नंदिकशोर आचार्य, जयंत सिंह तोमर सिंहत विशिष्ट कला-मर्मज्ञ और प्रतिभागी युवा एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। आर्ट एप्रेसिएशन सिटिफिकेट कोर्स (कला-रसास्वादन पाठ्यक्रम) के समापन समारोह में आईटीएम यूनिवर्सिटी म्वालियर के फाउंडर चांसलर रमाशंकर सिंह जी ने युवाओं को संबोधित करते हुए अपने व्याख्यान में कहा कि जीवन के हर पहलू में कलात्मक दृष्टि अपनाने से जीवन सुंदर हो जाता है। आर्ट एप्रेसिएशन सिटिफिकेट कोर्स के समापन समारोह में आईटीएम यूनिवर्सिटी म्वालियर की चांसलर श्रीमती रूचि सिंह और वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर चांसलर श्रीमती रूचि सिंह चौहान ने कहा कि इस 15 दिवसीय कला रसास्वादन पाठ्यक्रम में हिस्सा लेकर आप सभी ने कला की बारीकियों को समझा और जाना। यह आर्ट एप्रेसिएशन सर्टिफिकेट भविष्य में युवाओं के कॅरियर के लिए महत्वपूर्ण हिस्सा बनेगा।

मंच पर दिखी अनेकता मे एकता की झलक









भांगड़ा, बोनालु नृत्य और भरतनाट्यम की रही धूम

एनुअल फंक्शन में रंगारंग आयोजन का शुभारंभ मां सरस्वती और गणेश वंदना के साथ किया गया। दीप प्रज्जवलन के बाद शालिनी और निपूर्णा एंड ग्रुप ने घेरदार घाघरा और ओढ़ना पहनकर पूरे राजस्थानी सांस्कृतिक लिबास में स्टेज पर आकर राजस्थानी कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति के दौरान सबसे आकर्षण का केंद्र विद्यार्थियों द्वारा गजब का लोच, गित और सांस्कृतिक पहनावा रहा। वहीं प्रतीक एंड ग्रुप द्वारा भांगड़ा ग्रुप डांस की धमाकेदार प्रस्तुति देकर दर्शक दीर्घा में मौजूद अतिथियों और छात्र-छात्राओं को भांगड़ा करने पर मजबूर कर दिया। इसके साथ ही राज एंड ग्रुप ने मां आदि शक्ति की भक्ति में लीन होकर गरबा नृत्य की प्रस्तुति दी। वहीं धरिना एंड ग्रुप द्वारा बंजारा डांस, भूमिका मिश्रा एंड पूर्वी गुप्ता द्वारा शास्त्रीय कथक और भरत नाट्यम की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। इसी के साथ ही स्तुति एंड श्रुति ग्रुप द्वारा बोनालु और जन्माष्टमी फेस्टिवल पर आधारित रंगारंग प्रस्तुति दी गई।





आईटीएम यूनिवर्सिटी में तीन दिवसीय एनुअल फंक्शन का आयोजन किया गया। जहां छात्र-छात्राओं ने शास्त्रीय नृत्य, शास्त्रीय संगीत, भांगड़ा, घूमर, डांडिया, भरत नाट्य सिंहत अनेकता में एकता की विभिन्न सांस्कृक्तिक प्रस्तुतियां देकर सभी के मन को प्रफुलित किया। संस्थान के नाद एम्फेथिएटर में अनेकता में एकता थीम पर आयोजित एनुअल फंक्शन में मुख्य अतिथि के रूप में इंटरनेशनल प्लेयर हसरत कुरैशी, अरमान कुरैशी एवं ऐ वतन मेरे वतन मूवी के डायरेक्टर कानन अय्यर, स्क्रिप्ट राईटर दरब फरूकी एवं एक्टर अभय वर्मा शामिल हुये। कार्यक्रम में आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर की चांसलर श्रीमती रूचि सिंह, प्रो-चौसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय, रिजस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंहविभिन्न विभागों के डोन, एचओडी, प्रोफेसर, एसोसियेट प्रोफेसर और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। वही कार्यक्रम का संचालन कार्तिकेय आचार्यजी, अनिमेहा परमार,रोनक,वैभव और संध्या कुमारी द्वारा किया गया।



292 छात्र-छात्राओं को किया गया पुरस्कृत

एनुअल फंक्शन में वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश उपाध्याय ने एनुअल रिपोर्ट प्रोजेक्ट प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत की। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में संचालित स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, स्कूल ऑफइंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, स्कूल ऑफ साइंस, स्कूल ऑफ आर्क एंड डिजाइन, स्कूल ऑफ आर्किटेक्कर, स्कूल ऑफफमेंसी, स्कूल ऑफस्पोर्ट्स एजुकेशन, स्कूल ऑफएग्रीकल्चर, स्कूल ऑफनिसिंग साइंस, स्कूल ऑफ मेडिकल एड पैरामेडीकल साइंस, स्कूल ऑफलों, स्कूल ऑफ जर्निलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन और स्कूल ऑफएजुकेशन के अतंर्गत कल्चरल, स्पोर्टस और एकेडिमिक में अव्वल प्रदर्शन करने वाले कुल 292 छात्र-छोत्राओं को पुरस्कार अतिथियों द्वारा प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। जिसमे कल्चरल ओर स्पोर्ट्स एक्टिविटी के लिए 112 छात्र-छात्राओं को ओर अकैडिमिक एक्टिविटी के लिए 180 छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किया गया।

आइटीएम ने जीता इंटर यूनिवर्सिटी जोनल



ग्वालियर। आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर की फ्लोरबॉल वुमन टीम ने एक बार फिर अपने जुनून और हुनर का बेहतरीन प्रदर्शन कर इंटर यूनिवर्सिटी जोनल फ्लोरबॉल चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है। दरअसल, आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के फ्लोरबॉल ग्राउंड पर एआईयू (एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी) द्वारा इंटर यूनिवर्सिटी जोनल फ्लोरबॉल चैंपियनशिप (महिला और पुरुष) का आयोजन किया गया। जिसका समापन शनिवार 15 जून को फाइनल मुकाबले के बाद समापन सेरेमनी का आयोजन किया गया। जहां मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. दीपेंद्र आर्य (वाइस प्रेसिडेंट, इंडियन फ्लोरबॉल फेडरेशन) शामिल हुए। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में रविंद्र चौधवे (सचिव, इंडियन फ्लोरबॉल फेडरेशन), आईटीएम यूनिवर्सिटी म्वालियर के प्रो- चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, प्रो-वाइस चांसलर डॉ. एसके नारायण खेड़कर, प्रोफेसर इंद् मजूमदार, आईटीएम फिजिकल एजुकेशन के एचओडी डॉ. विपिन तिवारी, ऑर्गनाइजिंग सचिव पंकज तिवारी, स्पोर्टस ऑफिसर विमल शर्मा और देशभर से आई टीमों के खिलाड़ियों की गरिमामयी उपस्थिति में अव्वल आई टीमों और खिलाड़ियों को अतिथियों द्वारा अवार्ड प्रदान किए गए। आईटीएम युनिवर्सिटी, आदिचुनचुनागिरी, एमडीयू रोहतक और आरटीएम की वुमन टीमों के बीच हुआ रोमांचकारी सेमीफाइलन का मुकाबला

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर की मेजवानी में एआईयू द्वारा इंटर यूनिवर्सिटी जोनल फ्लोरबॉल चैंपियनिशप (महिला- पुरुष) का आयोजन किया गया। डे-नाइट चले मैचों में हिस्सा लेने के लिये देशभर से आई 30 टीमों के करीब 600 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। सभी टीमों के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करते किया। इसके साथ ही चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं। सेमीफाइनल में सबसे पहला मुकाबला एमडीयू रोहतक (महिला) और आरटीएम नागपुर (महिला) के बीच मुकाबला हुआ। इसमें एमडीयू रोहतक वुमन टीम ने 4-2 के स्कॉर के साथ जीत हासिल कर फाइलन में अपनी जगह बनाई। वहीं सेमीफाइलन का - दूसरा मुकाबला आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर (महिला) और आदिचुनचुनागिरी कर्नाटक के बीच हुआ।



मेन्स टीम ने 3-2 के स्कॉर के साथ आदिचुनचुनागिरी टीम को दिखाया पवेलियन का रास्ता

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर (पुरुष) टीम ने 3-2 के स्कॉर के साथ जीत हासिल की। वहीं सेमीफाइलन में दूसरा मुकाबला बैंगलुरु (पुरुष) टीम और एमडीयू रोहतक (पुरुष) टीम के बीच हुआ। जिसमें एमडीयू रोहतक ने 2-0 स्कॉर के साथ फाइलन में जगह बनाई। वहीं फाइनल में आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर (पुरुष) और एमडीयू रोहतक (पुरुष) टीमों के बीच फ्लोरबॉल का कड़ा मुकाबला हुआ। जिसमें एमडीयू रोहतक ने 3-2 स्कॉर के साथ जीत हासिल की। इस तरह चैंपियनशिप की मैन्स टीमों में एमडीयू रोहतक प्रथम स्थान पर रही। वहीं आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर की टीम द्वितीयः और आदिचुनचुनागिरी कर्नाटक की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर फ्लोरबॉल मैन्स टीम के खिलाड़ियों में सौरभ कुमार, आशीष प्रसाद, सौरभ आनंद, हरिंदर आर्य, उमेदाराम, युवराज चौहान, विक्रम रघुवंशी, आदर्श सिंह, कृष्णा शर्मा, हर्ष मोहंती, यश शर्मा, अजयदीप सिंह रावत, सौरभ भगत, कुलदीप सिंह शामिल हैं।

रोमांचकारी हुआ सेमीफाइलन का मुकाबला

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर की मेजवानी में एआईयू द्वारा इंटर यूनिवर्सिटी जोनल फ्लोरबॉल चैंपियनशिप (महिला पुरुष) का आयोजन किया गया। डे-नाइट चले मैचों में हिस्सा लेने के लिये देशभर से आईं 30 टीमों के करीब 600 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। सभी टीमों के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करते किया। इसके साथ। ही चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं। सेमीफाइनल में सबसे पहला मुकाबला एमडीयू रोहतक (महिला) और आरटीएम नागपुर (महिला) के बीच मुकाबला हुआ। इसमें एमडीयू रोहतक वुमन टीम ने 4-2 के स्कॉर के साथ जीत हासिल कर फाइलन में अपनी जगह बनाई। वहीं सेमीफाइलन का दूसरा मुकाबला आईटीएम ग्वालियर यूनिवर्सिटी (महिला) आदिचुनचुनागिरी कर्नाटक के बीच हुआ। जहां पर 200 स्कॉर के साथ आईटीएम युनिवर्सिटी ग्वालियर (महिला) टीम ने जीत हासिल कर फाइनल में पहुंची। आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर की फ्लोरबॉल वुमन टीम के खिलाडियों में खुशी किरार, प्रिया कुमारी, महक, प्रियंका, ललिता, रेनु यादव, एकता कौशिक, कविता अनीता, सुमित्रा, कोमल भारती, अदिति, वीना पांडे, परणीत कौर शामिल हैं।

आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर में हुआ 'ग्रेडो फिएस्टा' का आयोजन





आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ आर्ट एंड डिजाइन द्वारा ग्रेडो फिएस्टा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां इंटीरियर और फेशन डिजाइन के स्टूडेंट्स ने अपनी क्रियेटिवीटीज का प्रदर्शन किया। आयोजन में खुशी यादव (मिस टीन दिवा रनरअप-2024) और रोमित खेमानी (इंडोर टेल्स) मुख्य अतिथि व जज की हैसियत में शामिल हुए। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रियंका भदौरिया मेकअप आर्टलैंड राहुल ठाकुर ठाकुरा ब्रांड शामिल हुए। इस अवसर पर आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के प्रो- चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, डोन एकेडिमिक डॉ. रंजीत सिंह तोमर, डीन स्टूडेंट एंड वेलफेयर डॉ. आनंद पिड, डोन स्कूल ऑफ आर्ट एंड डिजाइन आर्किटेक्ट रेबिका जादौन, एचओडी अश्विनी शर्मा, कॉर्डिनेटर अर्किटेक्ट आकांक्षा तोमर, संजीवनी अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, डीन, प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और बड़ी संख्य में स्टूडेंट्स मौजूद रहे।



इंटीरियर डिजाइन के क्षेत्र में प्रेक्टिकल लेवल पर कार्य करने की जरूरत: रोमित खेमानी: मुख्य अतिथि और निर्णायक की भूमिका में शामिल हुए रोमित खेमानी (इंडोर टेल्स) ने स्टूडेंट्स को अवार्ड प्रदान करते हुये कहा कि इंटीरियर डिजाइन के क्षेत्र में आपको प्रेक्टिकल लेवल पर ज्यादा से ज्यादा कार्य करना चाहिये। क्योंकि जब तक आपके काम में समई नहीं आयेगी तब तक आपके प्रोडक्ट को पसंद नहीं किया जा सकता है। इसके साथ ही आपको इनोवेशन कर यूनिक प्रोडक्ट तैयार करने चाहिये जो आपकी सक्सेस के लिये बहुत ही महत्वपूर्ण है।



मॉर्डन मटेरियल स्विंग तैयार कर अमन शर्मा ने जीता बेस्ट इनोवेशन अवार्ड: आईटीएम स्कूल ऑफ आर्ट एंड डिजाइन द्वारा आयोजित ग्रेडो फिएस्टा के तहत इंटीरियर डिजाइन के क्षेत्र में अळ्ळल प्रदर्शन करने वाले स्टुडेंट्स को अवार्ड प्रदान किये गये। इनमें अमन शर्मा को बेस्ट इनोवेशन अवार्ड से नवाजा गया। अमन ने मार्डन मटेरियल स्विंग तैयार किया था। इसी तरह बेस्ट डिजाइन अवार्ड स्टूडेंट दशमेश सिंह सिद्धू को प्रदान किया गया। बेस्ट स्कूल ऑफ आर्ट एंड डिजाइन अवार्ड से स्पर्शी जैन को नवाजा गया।





आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के स्कूल ऑफ आर्ट एंड डिजाइन द्वारा आयोजित ग्रेडो फिएस्टा में फेशन शो का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि और निर्णायक की भूमिका में शामिल हुई ख़ुशी यादव टीन दिवा ने स्टूडेंट्स से कहा कि फेशन डिजाइन के क्षेत्र में आप तभी सक्सेस प्राप्त कर सकते हो जब आप अपने सपने को साकार रूप प्रदान करें। ग्रेडो फिएस्टा चे फेशन डिजाइनिंग के क्षेत्र में अव्वल प्रदर्शन करने वाले स्टूडेंट्स को अवार्ड प्रदान किये गये। बेचलर में दीपा कुशवाह को बेस्ट डिजाइनर अवार्ड प्रदान किया गया। दीपा ने साउथइंडियन टैंपल थीम अपने प्रोजेक्ट को तैयार कर प्रदर्शित किया। वहीं मास्टर में फिना खान को बेस्ट डिजाइनर अवार्ड प्रदान किया गया। फिना ने हैलोवीन प्रोजेक्ट तैयार किया था। वहीं ठान्या दोवोलिया को वेस्ट डिजाइनर अवार्ड से नवाजा गया। तान्या ने बेस्ट थीम ताज महल पर आधारित अपना प्रोजेक्ट तैयार कर प्रदर्शित किया

स्यसत-2024

सीनियर ने किया रैंप वाक तो जूनियर ने बालीवुड सांग्स पर कदम थिरकाए





आइटीएम यूनिवसिटी में फाइनल इंटर के स्टूडेंट्स के लिए फेयरवेल पाटी रुखसत-2023 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर न्युबसूरत नगमों और डांस परफोर्मेस के साथ लड़ा जूनियर स्ट्राब्दस ने सीनियर को मादुक रूप से रुखसत किया। वहीं सीनियर स्ट्उँदा ने पंप वाक कर कान्किइस संपल पढ़ाने के लिए जूनिवर्स को अवेयर करने के साथ ती कविताबी के माध्यम से अपने अनुमर्थ को शेयर किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हा. आस्था जगी (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आंतरी ग्वालियर) शामिल हुई

वंशिका, पायल, अंजलि, मार्या बनी मिस फेयरवेल

फेयरवल पार्टी में मिस्टर एंड मिस फेयरवेल में कई स्टूडेंट्स ने भाग लिया। सभी ने कैटवाक परफार्मेंस दी और अपने टैलेंट का प्रदर्शन पूरी शिद्दत के साथ किया। हर कोई जीत का ताज अपने सिर पर सजाना चाह रहा था। आखिर में स्कूल आफ मैनेजमेंट विभाग के स्टूडेंट शब्द ओवराय मिस्टर फेयरवेल और वंशिका शर्मा मिस फेयरवेल चुनी गई। इसी तरह स्कूल आफ इंजीनियनिय एंड कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के स्टडेंट विनावीन मिस्टर फेयरवेल और पायल जादौन मिस फेयरवेल चुनी गई।

इसी तरह स्कूल आफ नर्सिंग साइंस द्वारा आयोजित फेयरवेल पार्टी रुखसत में आप्टोमेट्री स्टूडेंट कुलदीप सिंह मंडलोई मिस्टर फेयरवेल, अंजिल सेंगर मिस फेयरवेल. इसी नराह नर्सिंग स्टूडेंट विकास कुमार मिस्टर फेयरवेल और मार्या नाग मिस फेयरवेल चुनी गई। चुनाव के साथ ही मिस्टर और मिस फेयरवेल की ताजपोशी की गई।

जूनियर स्ट्रडेंट्स ने सांस्कृतिक और आकर्षक प्रस्तृतियों से बांधा समां

आइटीएम के स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी, स्कूल आफ मैनेजमेंट, स्कूल आफ नर्सिंग साइंस के फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स के लिए फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। जहां प्री फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स ने फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स को विदाई दी। शुभारंभ अतिथियों द्वारा दिप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद स्टूडेंट्स ने सरस्वती वंदना के बाद आकर्षक और रंगारंग प्रस्तुतियां दी।



वतर्मान समय कुछ यूनिक करने का है: डॉ. आस्था

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. आस्था ने कहा कि अध्ययन अनवरत चलती रहने वाली प्रक्रिया पासआउट होकर अपने करियर की शुरूआत करने जा रहे हैं। आप सभी स्टूडेंट्स से मैं सिर्फ यही कहना चाहती हूं कि कालेज लाइन, अकेडिमक लाइफ में अपने-आपने क्षेत्र में जो भी सीखा, उसी में बेस्ट करने की कोशिश करें। साथ ही सोखना हमेशा जारी रखें तो कभी भी आप असफल नहीं होंगे। क्योंकि वर्तमान समय कुछ यूनिक करने का है। अपने क्षेत्र में कुछ हटके कार्य करने वाला ही पहचाना जाता है।

रुखसत-2024







स्कूल ऑफ जर्नलिज्म, स्कूल ऑफ लॉ, स्कूल ऑफ नर्सिंग के छात्र अपनी रुखसत पार्टी पर



SPORT'S

ACHIEVEMENTS 2023-24

Games	Name of Tournament	Position
Hockey	Winner of Silver Medal in 4th Khelo India University Games 2023-24	2 nd Position
Basketball	West zone Inter University Competition (women)	1st Position
Hockey	West zone Inter University Competition (women)	1st Position
Hockey	AIU Inter University competition	1st Position
Tennis	West zone Inter university Competition	3 rd Position
Taekwondo	Manali Open National Taekwondo Competition	1st Position
Boxing	West zone Inter University Competition	2 nd Position
Wrestling	South West zone Inter University Competition	1st Position
Weight lifting (W)	ASMITA khelo india women's weightlifting league	3 rd Position



Gold Medal Basketball, West Zone Inter University Competition (Woman)



Winner of Silver Medal in 4th Khelo India University Gamers 2023-2024



WEST ZONE INTER UNIVERSITY HOCKEY (WOMEN) CHAMPIONSHIP 2023-24

Rajasthan, Gujarat, Madhya Pradesh, Goa and Maharashtra state 52 teams was participated in that tournament. The event is scheduled to take place from January 13 to January 17, 2024. I position ITM University Gwalior, II position Jiwaji university, Gwalior, III position Ravind Natah Tegor University Bhopal, IV position Savitribai Phule University Pune.



WEST ZONE INTER UNIVERSITY BASKETBALL (WOMEN) CHAMPIONSHIP 2023-24

Dec. 30, 2023, to Jan. 3, 2024. The tournament will feature participation from 72 teams representing Rajasthan, Gujarat, Madhya Pradesh, Goa, and Maharashtra. The competition format includes 68 knockout matches and 6 league matches, ensuring an exciting and dynamic event. I position ITM University Gwalior, II position Maharaja Ganga Singh University, Bikaner, III position L N I P E Gwalior, IV position Rani Durgavati Vihwavidyalaya Jabalpur

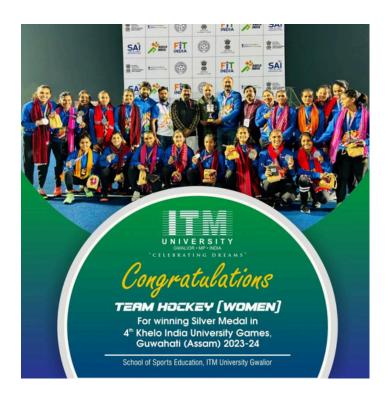


WEST ZONE INTER UNIVERSITY TENNIS (MEN) CHAMPIONSHIP 2023

Nov. 30 to Dec. 4, 2023. The tournament saw participation from 52 teams across India. Shivaji University, Kolhapur secured the first position, followed by Savitribai Phule University, Pune in second place. ITM University, Gwalior claimed the third position, while Gujarat University, Ahmedabad finished fourth. The event showcased remarkable talent and competitive spirit, making it a memorable sporting event. 1st position Shavaji University Kolahapur · 2nd Position Savitribai Phule University Pune · 3rd position ITM University Gwalior, 4th position Gujrat University Ahmadabad.







Event's aITMU

School of Pharmacy, ITM University Gwalior and NSS Unit, in collaboration with Paryavaran Doot Foundation, initiated a campaign on 'Land Restoration, Desertification, and Drought Prevention' on World Environment Day, marking the beginning of the World Environment Fortnight. Volunteers distributed seed balls and cloth bags in villages, urging the public to refrain from using polythene. Through dance dramas and awareness programs, they emphasized importance of environmental conservation, urging people to save forests, water, and land. President of the Paryavaran Doot Foundation and members of the art group delivered messages on sustainable living and youth involvement in environmental preservation. The program also included dance drama depicting consequences of environmental degradation and the importance of planting trees. Professor Dr. Sudharani, the NSS Program Officer, encouraged youth to take the lead in tree planting initiatives innovative proposed solutions environmental challenges.





Journalism Department of and Mass Communication. Film Club. ITM University Gwalior, and the Performing Arts Club, ITM Gwalior, collaboratively hosted an enriching Master Class on Acting. The event featured talented actors Mr. Sparsh Shrivastava, Mr. Durgesh Kumar, and Mr. Bulloo Kumar, who generously shared their extensive experiences and valuable insights with the attendees. Through detailed anecdotes and practical advice, the actors provided a comprehensive understanding of the acting profession, covering various aspects such as character development, improvisation, and the emotional nuances of performance. Students were deeply engaged and benefited immensely from their expertise and captivating stories. The master class was not only educational but also inspirational, leaving a lasting impact on all participants and marking the occasion as a memorable highlight in their academic journey.













Science Day

Science Day on February 28, 2024, was enriched by the insightful expert talk delivered by Dr. Fouran Singh, Scientist G at IUAC New Delhi. His presentation not only illuminated the audience with cutting-edge scientific advancements but also underscored the significance of research and innovation in shaping our future. Dr. Singh's expertise and passion for science inspired attendees to explore new frontiers and embrace curiosityinquiry. His contributions driven exemplify the spirit of scientific inquiry commitment to knowledge for the betterment of society. Science Day served as a reminder of the transformative power of science in addressing global challenges and fostering a sustainable future.



His contributions exemplify the spirit of scientific inquiry and commitment to advancing knowledge for the betterment of society. Science Day served as a reminder of the transformative power of science in addressing global challenges and fostering a sustainable future. The event highlighted the need for sustained investment in scientific research and education to ensure continued progress and innovation.

Speech and Slogan Writing Competition

In observance of both 'World Speech Day' and 'Consumer Rights Day', the Department of Journalism and Mass Communication at ITM University Gwalior organized a thought-provoking event. Participants engaged in impassioned speeches and poignant slogans, exploring the vital topics of 'Inequality against Women in the Workplace' and 'Consumer Obstacles and Opinions'. Esteemed judges, including Prof. Jayant Singh Tomar, Dr. Hanan Khalid Khan, and Sr. Alka Sanyal, offered their expertise to the proceedings. Standout participants such as Fouzia Aamna, A. Sanjukta Rao, and Aryan Raj delivered articulate speeches that deeply resonated with the audience, shedding light on pressing issues. Additionally, Tanishka Shrivastava and Khushi Pal received acclaim for their impactful slogans, capturing the challenges faced by consumers.



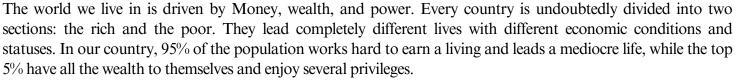
National Conference

The 9th National Conference on Recent Advances in Chemical & Environmental Sciences (RACE-2024) was organized by the Department of Chemistry and Environmental Sciences at the School of Sciences. Themed "Chemistry for Sustainable Future" showcased the significance of environmentally conscious scientific endeavours. The event, attended by about 200 participants, featured five tracks with six technical sessions, ten plenary talks, and oral/poster contributions from scholars, faculty, and students. Dr Mohana Krishna Reddy Mudiam, Director of IPFT Gurugram, was the Chief Guest, with distinguished guests including Dr Ravi Shankar Bhardwaj and Dr B R Shrivastava. Dr. Yogesh C Goswami, the Convener, welcomed the participants, while Dr. Ranjana Goswami, the Organizing Secretary, provided insights into the conference's theme. Dr. Rita Sharma hosted the event. Discussions ranged from vaccine development in the pandemic, presented by Dr Ravi Shankar Bhardwaj, to water contamination's impact on gall bladder cancer cases, discussed by Dr B R Shrivastava. Dr. Umashankar Sharma highlighted nuclear reactors' potential and innovative applications like using coconut waste for sanitary pad production.

STUDENT'S CORNER

JUSTICE IS BLIND

Kanak Rohit



In India, as well as in other parts of the world, the judicial system of the country promises 'Equality of all before the law,' regardless of wealth, societal status and power. However, the reality is not as convincing as this idealism. The recent Pune Porche case stands as a perfect example of this inequality. A few days back, a 17-year-old drunk boy was driving a Porche at a speed of 200 Km per hour. The rash driving hit a bike and resulted in the deaths of two, Anush Awadhiya and Ashwini Koshtaa, both 24 years old. The crash caused Ashwini to be thrown up to 20 feet into their, and Anush crashed into a parked car. Following the crash, the driver was caught by the locals. He had been partying with his friends to celebrate their 12th Exams at a local pub on the day of the accident.







The legal age for driving in India is 18 years, while to consume alcohol, you have to be at least 25. As soon as the case came to light, the boy was booked for rash and negligent driving, and his father was charged under Section 75 of the Juvenile Justice Act, which deals with willful neglect of the child. However, just 15 hours after the boy's arrest, the police requested the court to treat the boy as an adult due to the severity of the situation, and he was granted bail on the condition of writing a 300-word essay and taking counselling sessions for alcohol addiction.

The real question here is; how is it fair to turn a blind eye towards a Rich's crime? This situation sheds light on the fact that wealth can significantly influence legal outcomes in several ways. The minor's father, a real estate agent, had the means to turn this situation in their favour by bribing officials, including policemen, court clerks and even judges. On the other hand, this is how riches are treated by the law. The poor are more vulnerable to exploitation and harassment in this regard. Without the means ro pay bribes, they have to face false charges, extended detentions and harsher sentences. This disparity between the rich and the poor undermines the fact that the law is blind towards wealth. Now, this difference not only erodes public trust in the legal system but also flames another societal issue, i.e., Corruption.

It creates a vicious cycle that repeats itself and affects everyone, especially the poor. When the richer section bribes policemen, they often get bail or reduced sentences. They can easily avoid fines, escape charges and get quick action on their complaints. This preferential treatment encourages more bribery, as police officers come to accept extra money from their day-to-day jobs. Over, this behaviour became normalised among the officials, and officers began to demand bribery more often, not just from the ones who can easily afford such large sums of money but from everyone and since the poor cannot afford these extra costs, they have to face further harsher treatments and consequences

The Weight of Expectations

Arindam Tomar (MJMC)

Wouldn't it be so nice,	But when I look at their face	
To be perfect all the time?	It's just me	
I don't wish	I can never tell	
To be perfect for myself	Whether these thoughts	
But rather	Are just thoughts	
Other people	Or if they are real	
Wouldn't it be so much easier,	As the way they act	
If we could divide ourselves	says one thing	
Into multiple?	But it also may say another	
This way	Which leaves me gasping for air	
I wouldn't disappoint anyone.	As they cover my mouth	
I find myself	And pull me down farther	
Being really good at that,	Please take my hand	
Being disappointing	And help me up	
That's why	Please	
I find serenity in being alone	Is it really fine?	
This way	Or are you just saying that?	
I don't have anyone to disappoint	I can never tell	
As I never feel like I'm enough	Which just pulls me down farther	
Most of the time	Trying is never enough	
I feel like I'm being pulled down	The more I try and the more i	
Into a crowd of people	struggle	
Saying awful things to me		

LOVE IN ALL OF ITS FORM

Kanak Rohit

We're so busy looking for romantic love that we miss out on all its other forms we should be grateful for.

Did you take your medications?

Call me when you reach home.

Let me tie your hair for you.

A friend waiting for you while you tie your shoes, the dog wagging its tail as soon as it sees you, random children waving goodbye to you, your mother waking up early to prepare breakfast, your sibling helping you with your academic chores, your father patting your head while smiling to himself when you achieve something.

LOVE IS ALL AROUND US

Maybe life is not about finding your other half or your significant other.

Maybe it's about accepting the fact that you are complete on your own. The tender love that surrounds you makes you a complete being.

The missing puzzle piece you're looking for is GRATITUDE.







ACHIEVEMENTS

























